हैप्पी बर्थडे टू यू....

पर्व जैन

जन्म दिनांक 17.06.2013

पिता - श्री संकेत जैन
माता - श्रीमती प्रियंका जैन
दादा - श्री सुरेन्द्र जैन, अहमदाबाद
दादी - श्रीमती पवनबेन जैन
नाना - श्री पवन जैन, टेहरका
नानी - श्रीमती मंजु जैन

अनवी जैन

जन्म दिनांक 19.05.2013

पिता - श्री अंशुल जैन
माता - श्रीमती रसना जैन
दादा - श्री राजेन्द्रकुमार जैन
दादी - श्रीमती मंजु जैन, ललितपुर
नाना - श्री अंजना जैन
नानी - श्रीमती नेमीचंद जैन, बरुआसागर

भगवान महावीर स्वामी की जयंती पर जियो और जीने दो की गूंज

पवा, विशाल जैन। सिद्धक्षेत्र पावागिरीजी सहित कस्बे के भगवान श्री पार्श्वनाथ एवं वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में जैन धर्म के प्रवर्तक वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की 2613वीं जयंती धूमधाम से मनायी गयी, इस अवसर पर सुबह से ही भारी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुँचे। प्रभात फेरी निकाली तथा भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक पर विविध धार्मिक अनुष्ठान हर्षोल्लास के साथ आयोजित किये गये। मंगल आरती के कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने नृत्य करते झूमते हुए भगवान महावीर स्वामी की भक्ति एवं विशेष पूजन अर्चना की। दोपहर में विमानोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें सबसे आगे तैलीय चित्रों को झांकी उसके पीछे घोड़े पर धर्मध्वजा लेकर श्रावक, डी.जे. बैण्ड की धार्मिक धुनों पर नृत्य करते युवाओं के बाद श्रीजी को विमान में लेकर श्रद्धालु तथा सबसे पीछे जीयो और जीने दो के नारे लगाते हुए महिलाएं एवं पुरुष चल रहे थे। मंदिर में ध्वजारोहण, कलशाभिषेक, मंगल आरती एवं फूलमाल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने अनेक प्रसंगों की व्याख्या की। किस प्रकार से बालक को पाँच नाम वर्द्धमान, वीर,अतिवीर, सन्मति और महावीर से संबोधित किया गया। उन्होंने बाल ब्रह्मचारी रहते हुए जैनधर्म के पांच सिद्धांतों अहिंसा, सत्य, अचौर्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य की प्रभावना करते हुए जैनागम को जन जन तक पहुँचाया। उन्होंने अनेकांत, मैत्री भाव और सहिष्णुता का संदेश दिया तथा अनेक उपसर्गों पर विजय प्राप्त कर कठिन साधना करते हुए 12 वर्ष तप करने पर केवलज्ञान की प्राप्ति के बाद कार्ति अमावस्या के दिन पावापुरी से मोक्ष प्राप्त किया। महावीर स्वामी द्वारा बताये मोक्ष मार्ग का अनुकरण करते हुए अनेक श्रावक घर छोड़कर धर्म की साधना के लिए निकल कर मुनि आर्यिका व्रत को धारण किया, धर्मावलम्बियों ने जियो और जीने दो तथा अहिंसा परमो धर्मा: का प्रचार प्रसार किया। रात्रि में पालना झूलन, बालक्रीड़ा एवं मंगल आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चौधरी धर्मचन्द्र, मोदी बच्चूलाल, कमलकुमार, शिखरचन्द्र, राजकुमार,जयकुमार, प्रसन्न जैन, अशोक कुमार, आनंद जैन, नरेन्द्रकुमार, मिठया संतप्रसाद, सनतकुमार, यशपाल, प्रकाशचंद, विनोद जैन, सुरेन्द्रकुमार, राजीव जैन, डॉ.महेन्द्र, सुरेश जैन, राकेश मोदी, मेघराज, मनीष कुमार, अरुण कुमार, प्रवीन जैन, अनुराग मिठया, अनिल कुमार, श्रेयांश, सुशील, प्रदीप, विकास, सौरभ, आदेश, अभिषेक, अखलेश, विशाल जैन आदि उपस्थित रहे। संचालन ऋषभ कुमार एवं आभार व्यक्त अरुण बुखारिया ने किया।

विनम्र श्रद्धांजलि

* **श्री संतोष कुमार जैन** 'जबलपुर' का आकस्मिक निधन 14.02.14 को हो गया। आप अत्यंत ही सरल स्वभावी एवं धार्मिक व्यक्ति थे।

* **सवाई सिंघई कन्छेदीलाल जैन** 'देवेन्द्र नगर' का आकस्मिक निधन दि. 17.02.14 को हो गया है। सिंघईजी सरल स्वभावी और धार्मिक क्रियाकलापों में रुचि रखते थे।

* **श्री सुनील जैन** पिता स्व. नंदकिशोरजी जैन का आकस्मिक निधन इन्दौर में 10.3.14 को हो गया। आप धार्मिक प्रवृत्ति के एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे।

* वैद्यराज श्री धर्मचंदजी जैन देवरान वालों के ज्येष्ठ पुत्र **श्री बसंतकुमार जैन** का निधन 3.05.14 को हो गया। श्री बसंत कुमारजी समाज पेढ़ी श्री पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था के संचालक मंडल के वरिष्ठ सदस्य थे। गोलालारीय सोशल ग्रुप के संस्थापक सदस्य के रुप में आपने ग्रुप को नई उंचाईयां प्रदान की। विगत 30-35 वर्षो से जैन व नीमा समाज की कई संस्थाओं से जुड़कर उनके लिए कार्य करते रहे। आप समाज के हर कार्यक्रम में सक्रिय होकर भाग लेते थे। आपके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। उनके पुत्र श्री अतुल जैन ने समाज को 11000/- रु. की राशि देने की घोषणा की है।

* **श्रीमती शांतिदेवी जैन** पति स्व. श्री नारायणप्रसादजी का स्वर्गवास दि. 3.05.14 को हो गया। आप श्री ज्ञानसागर जैन की माताजी थी। आप कुशल गृहणी के साथ धार्मिक भावनाओं से ओतप्रोत थी।

* **श्री हुकमचंद मुन्नालाल** जैन का स्वर्गवास दि. 15.05.14 को हो गया। आप एस.ए.टी.आई से सेवानिवृत्त हुये ।आप धार्मिक, सरल स्वभाव के धनी थे।

* स्व. पन्नालालजी सेरवास वालों के ज्येष्ठ पुत्र **श्रीअजीत कुमार जैन** का स्वर्गवास दि. 20.05.14 को हो गया है। आप धार्मिक, सरल एवं मिलनसार व्यक्ति थे समाज मंदिर में आप नियमित सेवायें प्रदान करते रहे। वर्ष 2002 में समाज न्यास गठन के बाद लगातार दो कार्यकाल में आपने अस्थायी ट्रस्टी के रुप में विशेष सहयोग प्रदान करा।

श्री लखमीचंदजी

श्री कन्छेदीलालजी

श्री बसंतकुमारजी

श्री अजीतकुमारजी

श्री हुकमचंदजी

* श्री जयकुमारजी (पूर्व अध्यक्ष जबलपुर समाज), मुकेश, दिलीप, सुधेश, राजेश जैन के पूज्य पिताजी **श्री लखमीचंदजी ''घंसौरवालों''** का निधन 26.5.14 को हो गया है। आप धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्तित्व थे।

गोलालारीय दर्शन परिवार विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

बधाईयाँ...

श्रीमती लीला अशोक कुमार जरीवाला को मुनिभक्त महिला मंडल, उज्जैन का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। लगभग 20 वर्ष पुराने इस मंडल में आपने कई वर्षो तक कोषाध्यक्ष एव सचिव पद पर अपना योगदान दिया है। मंडल का मुख्य उद्देश्य उजैन नगर व आसपास के क्षेत्रों में मुनिराजजी के आहार-विहार की व्यवस्थाओं में योगदान देना है।

जवाहरलाल नेहरु स्मृति महाविद्यालय की व्याख्याता **श्रीमती मंजुला जैन** को उनके शोध प्रबंध **माध्यमिक विद्यालय में मानवाधिकार शिक्षा के प्रति संस्था प्रधान तथा शिक्षक के अभिमत अध्ययन** विषय शिक्षा संकाय पर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। श्रीमती मंजुला जैन ने अपना शोध कार्य डॉ. हेमंत कुमार खण्डई विभागाध्यक्ष सतत् शिक्षा एवं विस्तार कार्यक्रम के निर्देशन में पूर्ण किया।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर ने **प्रो. श्रीमती आरती सुधांशुराज जैन** को रसायन शास्त्र विषय के अंतर्गत उनके शोध कार्य 'Sorptive Removal of certain Inorganic & organic toxins from simulated water samples by using spent tea leaves as sorbent' पर पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की है। इन्होंने अपना शोध कार्य डॉ. एस.के. वाजपेयी के निर्देशन में किया। आप वर्तमान श्री राम इंस्टीट्यूट ऑफ सांइस एण्ड टेक्नालॉजी, जबलपुर में प्राध्यापिका के पद पर कार्यरत है।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा शा. स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में कार्यरत गणित विषय की सहायक प्राध्यापक **श्रीमती अर्चना डॉ. संजय जैन** को, सम रिजल्ट्स ऑन फिक्स्ड पाईंट इन यूनिफार्म स्पेस विषय पर पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गयी है, श्रीमती जैन ने अपना शोध कार्य डॉ. अनिल राजपूत प्राध्यापक गणित के मार्गदर्शन में पूर्ण किया।

भगवान के माता पिता बने...

श्रीमती सुधा - डॉ. महेन्द्र जैन

विदिशा जैन समाज के गौरव, दो प्रतिमाधारी शासकीय कॉलेज में कार्यरत कामर्स के प्राध्यापक डॉ.महेन्द्र-सुधा जैन को दि. 5 मई से 10 मई 2014 तक लिधोरा जिला टीकमगढ़ में संपन्न पंचकल्याणक महोत्सव एवं गजरथ महोत्सव में भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वे सन् 1995 से वे इस पद को पाने के लिए प्रयासरत थे अब उनकी भावना पूरी हुई।

इनके परिवार के लिए यह सौभाग्य की बात है कि इनके बड़े भाई श्री सुमेरचंद-उषा जैन को पिछले वर्ष मऊरानीपुर (उ.प्र.) में संपन्न पंचकल्याणक महोत्सव मे माता-पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।